BHARATI INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH & DEVELOPMENT (BIJMRD)

(Open Access Peer-Reviewed International Journal)

DOI Link : https://doi.org/10.70798/Bijmrd/03120030

Available Online: www.bijmrd.com|BIJMRD Volume: 3| Issue: 12| December 2025| e-ISSN: 2584-1890

डिजिटल श्रम बाजार और गिग अर्थव्यवस्था का आर्थिक प्रभाव

Sumit Kumar

Independent Researcher, Department of Economics
Email: Sujyot10469@gmail.com

Abstract:

पिछले एक दशक में डिजिटल तकनीकों और इंटरनेट के तेज़ विकास ने वैश्विक श्रम बाजार की संरचना को महत्वपूर्ण रूप से बदल दिया है। इस परिवर्तन के परिणामस्वरूप एक नई आर्थिक व्यवस्था उभरकर सामने आई है जिसे Gig Economy कहा जाता है। इस व्यवस्था में श्रमिक पारंपरिक स्थायी नौकरियों के बजाय अस्थायी, प्रोजेक्ट-आधारित या प्लेटफॉर्म-आधारित कार्य करते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे Uber, Zomato और Swiggy ने लाखों लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान किए हैं।

इस अध्ययन का उद्देश्य डिजिटल श्रम बाजार और गिग अर्थव्यवस्था के आर्थिक प्रभावों का विश्लेषण करना है। यह शोध रोजगार के अवसरों, आय के पैटर्न, श्रमिक सुरक्षा, और आर्थिक विकास पर इसके प्रभावों की समीक्षा करता है। अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि गिग अर्थव्यवस्था रोजगार के नए अवसर प्रदान करती है, लेकिन इसके साथ ही श्रमिकों के लिए रोजगार अस्थिरता, सामाजिक सुरक्षा की कमी और आय असमानता जैसी चुनौतियाँ भी उत्पन्न करती है।

Keywords: *डिजिटल श्रम बाजार, गिग अर्थव्यवस्था, ऑनलाइन रोजगार, फ्रीलांसिंग, श्रम बाजार परिवर्तन, डिजिटल प्लेटफॉर्म, रोजगार के नए अवसर.*

Introduction:

21वीं सदी में डिजिटल तकनीकों के विस्तार ने आर्थिक गतिविधियों के स्वरूप को तेजी से बदल दिया है। इंटरनेट, स्मार्टफोन और डिजिटल प्लेटफॉर्म के व्यापक उपयोग ने श्रम बाजार में नए अवसरों का निर्माण किया है। इस संदर्भ में डिजिटल श्रम बाजार का विकास हुआ है, जिसमें श्रमिक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से कार्य प्राप्त करते हैं।

डिजिटल श्रम बाजार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा Gig Economy है। इसमें श्रमिक स्थायी नौकरी के बजाय अल्पकालिक या परियोजना-आधारित कार्य करते हैं। उदाहरण के लिए राइड-शेयरिंग, फूड डिलीवरी, फ्रीलांसिंग और ऑनलाइन सेवाएँ इस व्यवस्था का हिस्सा हैं।

भारत जैसे विकासशील देशों में गिग अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार आने वाले वर्षों में भारत में करोड़ों लोग डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से काम कर सकते हैं। इसलिए गिग अर्थव्यवस्था के आर्थिक प्रभावों को समझना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

Objectives (उद्देश्य):

1. डिजिटल श्रम बाजार और गिग अर्थव्यवस्था के विकास तथा उसके स्वरूप का अध्ययन करना।

2. गिग अर्थव्यवस्था का रोजगार, आय और श्रम बाजार संरचना पर आर्थिक प्रभाव का विश्लेषण करना।

3. डिजिटल प्लेटफॉर्म आधारित कार्य प्रणाली के सामाजिक-आर्थिक लाभ और चुनौतियों का मूल्यांकन करना।

Literature Review:

कई शोधकर्ताओं ने डिजिटल श्रम बाजार और गिग अर्थव्यवस्था के प्रभावों का अध्ययन किया है।

Arun Sundararajan ने अपनी पुस्तक में बताया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म आधारित अर्थव्यवस्था पारंपरिक रोजगार मॉडल को बदल रही है और श्रमिकों को स्वतंत्र रूप से काम करने के अवसर प्रदान कर रही है।

इसी प्रकार Guy Standing ने "Precariat" नामक एक नए सामाजिक वर्ग की अवधारणा प्रस्तुत की है, जिसमें अस्थायी और असुरक्षित रोजगार में काम करने वाले श्रमिक शामिल होते हैं।

अन्य शोधों में यह भी पाया गया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म श्रमिकों को लचीलापन और आय के अवसर प्रदान करते हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा की कमी भी देखी जाती है।

Digital Labour Market:

डिजिटल श्रम बाजार वह प्रणाली है जिसमें श्रमिक इंटरनेट आधारित प्लेटफॉर्म के माध्यम से कार्य प्राप्त करते हैं। इस प्रणाली में कार्य के कई रूप शामिल हैं, जैसे:

1. ऑनलाइन फ्रीलांसिंग

2. राइड-शेयरिंग सेवाएँ

3. फूड डिलीवरी सेवाएँ

4. ऑनलाइन माइक्रो-टास्क कार्य

डिजिटल श्रम बाजार की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

कार्य में लचीलापन

वैश्विक स्तर पर रोजगार अवसर

प्लेटफॉर्म आधारित कार्य व्यवस्था

श्रमिकों की स्वतंत्रता

इन विशेषताओं के कारण डिजिटल श्रम बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है।

Economic Impact of Gig Economy

1. रोजगार के अवसरों में वृद्धि: गिग अर्थव्यवस्था ने विशेष रूप से युवाओं और छात्रों के लिए रोजगार के नए अवसर प्रदान किए हैं। कई लोग अतिरिक्त आय अर्जित करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं।

2. आय के नए स्रोत: गिग अर्थव्यवस्था श्रमिकों को आय के नए स्रोत प्रदान करती है। उदाहरण के लिए फ्रीलांस डिजाइनिंग, कंटेंट लेखन और ऑनलाइन सेवाएँ कई लोगों के लिए आय का महत्वपूर्ण स्रोत बन गई हैं।

3. आर्थिक विकास में योगदान: डिजिटल प्लेटफॉर्म सेवाओं के विस्तार से शहरी अर्थव्यवस्था को गति मिली है। यह सेवा क्षेत्र के विकास में भी योगदान देता है।

4. श्रम बाजार में लचीलापन: गिग अर्थव्यवस्था श्रमिकों को अपने समय और कार्य की प्रकृति को चुनने की स्वतंत्रता देती है।

Challenges of Gig Economy

1. रोजगार अस्थिरता: गिग श्रमिकों के पास स्थायी नौकरी नहीं होती, इसलिए उनकी आय में अनिश्चितता बनी रहती है।

2. सामाजिक सुरक्षा की कमी: अधिकांश गिग श्रमिकों को स्वास्थ्य बीमा, पेंशन या अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ प्राप्त नहीं होते।

3. श्रमिक अधिकारों की समस्या: डिजिटल प्लेटफॉर्म कंपनियों और श्रमिकों के बीच कई बार श्रम अधिकारों को लेकर विवाद उत्पन्न होते हैं।

4. आय असमानता: कुछ श्रमिक अधिक आय अर्जित करते हैं जबकि कई श्रमिक कम आय प्राप्त करते हैं।

Gig Economy in India:

भारत में गिग अर्थव्यवस्था तेजी से विकसित हो रही है। फूड डिलीवरी, राइड-शेयरिंग और ऑनलाइन फ्रीलांसिंग जैसे क्षेत्रों में लाखों लोग कार्य कर रहे हैं।

डिजिटल प्लेटफॉर्म कंपनियों के विस्तार ने रोजगार के अवसरों को बढ़ाया है, लेकिन श्रमिकों की सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित चुनौतियाँ भी सामने आई हैं।

Policy Suggestions:

1. गिग श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ लागू की जानी चाहिए।

2. सरकार को डिजिटल श्रम बाजार के लिए स्पष्ट नियम और नीतियाँ बनानी चाहिए।

3. श्रमिकों के कौशल विकास को बढ़ावा देना चाहिए।

4. प्लेटफॉर्म कंपनियों को श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

Findings (निष्कर्ष):

1. अध्ययन से पता चलता है कि डिजिटल श्रम बाजार के विकास से रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हुए हैं, विशेषकर युवाओं और कुशल पेशेवरों के लिए।
2. गिग अर्थव्यवस्था ने कार्य के लचीलेपन (flexibility) को बढ़ाया है, जिससे लोग अपनी सुविधा के अनुसार काम कर सकते हैं और अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं।
3. हालांकि गिग कार्य में आय की स्थिरता कम होती है और सामाजिक सुरक्षा, पेंशन तथा बीमा जैसी सुविधाओं का अभाव पाया जाता है।
4. डिजिटल प्लेटफॉर्म ने वैश्विक स्तर पर श्रम बाजार को जोड़ दिया है, जिससे प्रतिस्पर्धा बढ़ी है और कई क्षेत्रों में मजदूरी दरों पर प्रभाव पड़ा है।

5. अध्ययन से यह भी स्पष्ट हुआ कि उचित नीतिगत हस्तक्षेप और श्रम सुरक्षा उपायों के माध्यम से गिग अर्थव्यवस्था को अधिक समावेशी और टिकाऊ बनाया जा सकता है।

Conclusion:

डिजिटल तकनीकों के विकास ने वैश्विक श्रम बाजार को महत्वपूर्ण रूप से बदल दिया है। Gig Economy ने रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया है। हालांकि इसके साथ कई चुनौतियाँ भी मौजूद हैं, जैसे रोजगार अस्थिरता और सामाजिक सुरक्षा की कमी। इसलिए यह आवश्यक है कि सरकार और नीति निर्माता ऐसी नीतियाँ विकसित करें जो गिग श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करते हुए डिजिटल अर्थव्यवस्था के विकास को प्रोत्साहित करें।

References :

1. Sundararajan, A. (2016). The Sharing Economy. MIT Press.

2. Standing, G. (2011). The Precariat. Bloomsbury Academic.

3. De Stefano, V. (2016). The rise of the gig economy. ILO.

4. Wood, A. et al. (2019). Good gig, bad gig. Work, Employment and Society.

5. Friedman, G. (2014). Workers without employers. Review of Keynesian Economics.

6. Berg, J. (2018). Digital labour platforms and the future of work. ILO.

7. World Bank. (2019). World Development Report: The Changing Nature of Work.

8. ILO. (2021). World Employment and Social Outlook.

9. Graham, M., & Anwar, M. (2019). Global gig economy. First Monday.

10. Srnicek, N. (2017). Platform Capitalism.

11. Heeks, R. (2017). Decent work in the digital gig economy.

12. Stewart, A., & Stanford, J. (2017). Regulating work in gig economy.

13. Schor, J. (2020). After the Gig.

14. Rosenblat, A. (2018). Uberland.

15. Kenney, M., & Zysman, J. (2016). Platform economy.

16. Katz, L., & Krueger, A. (2019). Alternative work arrangements.

17. Pesole, A. (2018). Platform workers in Europe.

18. Farrell, D., & Greig, F. (2016). Online platform economy.

19. Kalleberg, A. (2018). Precarious work.

20. Datta, N. (2019). Digital platforms and labour markets.

21. ILO (2022). Digital labour platforms report.

22. OECD (2020). Gig economy and labour markets.

23. European Commission (2018). Platform economy report.

24. World Economic Forum (2020). Future of work.

25. McKinsey Global Institute (2021). Independent work in digital economy.

Citation: **Kumar. S.,** (2025) "डिजिटल श्रम बाजार और गिग अर्थव्यवस्था का आर्थिक प्रभाव", *Bharati International Journal of Multidisciplinary Research & Development (BIJMRD)*, Vol-3, Issue-12, December-2025.